बक्सर-कोईलवर गंगा तटबंध पर बनेगी 51 किलोमीटर लंबी सड़क

आरा-शाहपुर, बिहिया और डुमरांव-बक्सर के बीच आसान होगा यातायात

फैसला

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। गंगा नदी के तटबंध पर नयी सड़क बनेगी। बक्सर-कोईलवर गंगा तटबंध पर बनने वाली 51 किलोमीटर लम्बी यह सड़क कई शहरों को वेकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराएगा। तटबंध पर सड़क का निर्माण सरीमपुर और नैनीजोर के बीच किया जाना है। भविष्य में इसका विस्तार भी होगा।

ऐसे तटबंध का निर्माण तो बक्सर जिला में ही होगा, लेकिन यह आरा, शाहपुर, बिहिया, डुमरांव को वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराएगा। भविष्य में यह पटना से बक्सर के बीच भी वैकल्पिक मार्ग के लिए सुलभ हो सकेगा। इस तटबंध से बक्सर तक कई शहरों शके बीच वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराएगी, बल्कि पूरे इलाके को जाम से मुक्ति दिलाने में भी मददगार होगी। जल संसाधन विभाग के अनुसार लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने और नदियों के जलस्तर की निगरानी कड़ी करने के लिए निर्णय लियाहै। यही नहीं तटबंध पर सड़क के बनने से तटबंधों के क्षतिग्रस्त हिस्से तक सहजता से पहुंचना भी आसान होगा। साथ ही लोगों को गंतव्य तक पहुंचने में जाम से मुक्ति मिलेगी। पिछले दिनों विभाग के प्रधान सचिव संतोष मल्ल ने वहां जाकर स्थल निरीक्षण भी किया। बीकेजीई के नाम से जाना जाने वाला बक्सर-कोईलवर गंगा तटबंध फिलहाल बहुत अच्छी स्थिति में नहीं है। तटबंध के ऊपर कच्ची सड़क है।

182 करोड़ रुपये खर्च होंगे इस योजना पर

- तटबंध का सुदृढ़ीकरण और कालीकरण किया जाएगा
- नदी के जलस्तर की निगरानी में भी मिलेगी सहायता

इन शहरों को होगा लाभ

कोईलवर, आरा, बिहियां, शाहपुर, डुमरांव।

दो वाहनों के गुजरने लायक सड़क बनेगी

जल संसाधन विभाग ने इस तटबंध को सशक्त बनाने और इसके ऊपर सड़क बनाने के लिए 182 करोड़ की योजना मंजूर की है। पिछले दिनों राज्य मंत्रिपरिषद ने भी इस योजना पर मुहर लगी दी। इस योजना के तहत तटबंध में दो वाहनों के गुजरने लायक सड़क बनेगा। भविष्य में सड़क का विस्तारीकरण करने की योजना है। इसके निर्माण से आरा, बिहियां, शाहपुर और डुमरांव के लिए भी वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था हो सकेगी। ये शहर भी आपस में वैकल्पिक मार्ग से जुड़ जाएंगे। इससे पूरे इलाके को जाम से भी मुक्ति मिलेगी। सबसे बड़ी बात यह होगी कि पटना से भी बक्सर जाना आसान हो सकेगा। तटबंध पर सड़क बनने से मुख्य मार्ग पर ट्रैफिक बोझ भी काफी कम होगा। जल संसाधन विभाग ने इस तटबंध को न केवल सुदृढ़ और मजबूत बनाने की योजना बना रहा है, बल्कि इसके ऊपर सड़क के निर्माण की भी योजना है।

> हमने कई नदियों पर बने तटबंधों को सुदृढ़ करने और उनके कालीकरण का निर्णय लिया है। यह न केवल हमारे तटबंध को मजबूत बनाएगा, बल्कि स्थानीय लोगों के साथ-साथ लंबी दूरी तय करने वाले लोगों को भी वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराएगा। यही नहीं बाढ़ के दौरान क्षतिग्रस्त हिस्सों तक पहुंचना आसान होगा।
>
> – **विजय कुमार चौधरी**, जल संसाधन मंत्री